- ✓ In this method injured is put on the stretcher tied with the rope/straps.
- ✓ Stretcher is tied with ladder.
- ✓ Slowly ladder is brought down along the wall.

B) Sliding Stretcher By Single Ladder:-

✓ Here victim is put on stretcher and fixed with rope then slowly stretcher is slided down wards.

C) Sliding stretcher by double ladder: - In this method two ladders are used and with the help of these, stretcher is slided downwards.

D) Two Points Suspension: - It is used when there is open space in the house/ building.

- ✓ Firstly victim is fixed to a stretcher.
- ✓ Stretcher is tied with rope at two ends.
- ✓ Slowly tied rope is released and stretcher is brought down.

E) FOUR POINT SUSPENSION: - In this method rope is tied to all the four corners of the stretcher.

- ✓ All the four ropes are held by four persons and they together release the stretcher slowly.

3) बचाव का कार्य निम्न तरीकों से करे :

(अ) लीनिंग लैडर मेथड :–

- ✓ इसका इस्तेमाल तब किया जाता है जब घायल व्यक्ति के हिप, पैर, रीढ़ आदि में फैक्चर हो ।
- ✓ इस विधि से घायल व्यक्ति को स्ट्रेचर पर रस्सी की मदद से स्थिर कर दिया जाता है।
- ✓ स्ट्रेचर को सीढ़ी के ऊपर बॉध दिया जाता है।
- ✓ धीरे धीरे सीढ़ी को दीवार के साथ– साथ नीचे लाते हैं।

(इ) स्लाइडिगं स्ट्रेचर बाई सिंगल लैडर :–

✓ धायल व्यक्ति को स्ट्रेचर पर रस्सी से फिक्स करने के पष्चात धीरे धीरे स्ट्रेचर को सीढ़ी पर सरकाते हुए नीचे लाते है।

(ब) स्लाइडिगं स्ट्रेचर वाई डबल लैडर :–

✓ इस विधि में दो सीढ़ी की मद्द से स्ट्रेचर को सरकाते हुए नीचे लाते है।

क) टू प्वाईट सस्पेन्सन :– जब मकान के बीच में खुली जगह हो तो इस विधि का इस्तेमाल करते है।

- ✓ इसमें सर्वप्रथम हम घायल व्यक्ति को स्ट्रेचर पर फिक्स करते है।
- ✓ स्ट्रेचर के किसी दो सिरे पर रस्सी बॉध देते है।
- ✓ धीरे–धीरे रस्सी को छोड़ते है और स्ट्रेचर को नीचे लाते है।

(ग) फोर प्वाइंट सस्पेन्सन :–

- ✓ इस विधि में स्ट्रेचर के चारों कोनो पर रस्सी बॉधते है।
- ✓ चारों रस्सी को चार व्यक्ति पकड़ कर धीरे– धीरे छोड़ते है और व्यक्ति नीचे आ जाता है।

❖ **PRECAUTIONS :-**

- ➢ Before going for rescue, practice and get trained in it.
- ➢ Don't hurry, it may result in accident.
- ➢ Work in team.
- ➢ Give confidence to victim.
- ➢ Carry out rescue work by putting on safety ropes. '
- ➢ Before starting rescue work inspect the collapsed structure.

HIGH RISE BUILDING RESCUE

NDRF

Community Awareness and Preparedness Programme

5th BN NDRF
Talegaon, Pune ,
Maharashtra-410507
e-mail 145crpf@gmail.com
Ph. 02114-231509

HIGH RISE BUILDING SEARCH AND RESCUE

Due to increase in population, problem of accommodation has increased manifold. To overcome this problem now-a- days multi storied buildings are being constructed.

1. Causes of Collapse of High Rise Buildings:-

- Buildings are not constructed as per Earthquake resistant technology.
- To earn more profit, builders use sub standard materials.
- To use ground floor for commercial purpose often people disturb the basic architecture.
- Erosion of soil due to heavy rains or stagnation of water.

बहुमंजिल इमारत ध्वस्त होने के कारण :–

- ❖ भवन का भूकम्परोधी न बना होना ।
- ❖ अधिक मुनाफा कमाने के लिए मकान को मजबूत न बनाना ।
- ❖ मकान बनने के पष्चात व्यवसायिक इस्तेमाल के लिए नीचे के मंजिल में तोड़–फोड़ करना ।
- ❖ भारी बारिष या जल भराव से मिट्टी का बैठना।

2. buildings. :-

- This work is completed in two parts i.e. Search & Rescue.

a) **Search: -** At first we must locate the trapped persons in collapsed structure. In search following methods are used:-

i) **Hailing Method**: - In this method four persons shout from different directions so that trapped persons shouts for help in reply or bangs on solid objects.

- Listen to the sound/shouts of trapped persons carefully and draw the lines from where the sound is coming.
- All the four persons will do this simultaneously four

times.

- The lines intersecting at one point will be the probable location of the trapped person.

ii) **Linear Search: -** Collapsed structure is searched in linear fashion from right to right.

iii) **Canine Search: -** Dogs are used to locate the trapped persons.

iv) **Instrumental/Technical Search -** Various instruments, gadgets and probes are used to locate the victims.

ध्वस्त बहुमंजिल इमारत में फॅसे लोगो को बाहर निकालना :–

इस कार्य को हम दो भागों में बॉट सकते है।

(1) खोज { सर्च } :–

क) डोलिंग मैथड :– सर्वप्रथम ध्वस्त इमारत में फॅसे व्यक्तियों का पता लगाना चाहिए। इस में खोज करने वाली टीम बाहर से आवाज लगाती है कि

- यदि कोई अन्दर है तो आवाज लगाये या किसी ठोस वस्तु से दो बार खट–खट की आवाज करें।
- ध्यान से सुने यदि आवाज आ जाती है तो एक स्केच बनायें।
- यह कार्यवाही टीम के चारों सदस्य चारो तरफ से करेंगे।
- जहॉ ये लाइन आपस में काटती है वह जगह व्यक्ति के फॅसे होने की जगह होगी।
- ➢ मेगा फोन के द्वारा – बाहर से आवाज लगाते है और अन्दर से जवाब का इन्तजार करते है।
- ➢ षीटी द्वारा – बाहर से लम्बी–लम्बी षीटी लगाकर जवाब का इन्तजार करते है।

ख) फिजीकल खोज :–

इस तरीके में दाहिने –दाहिने चलते हुए किसी बिल्डिंग मे फॅसे जीवित व्यक्ति का पता लगाते है।

ग) टेक्नीकल खोज :–

इस तरीके में उपकरणों द्वारा जीवित व्यक्ति का पता लगाते है।

घ) कुत्तों द्वारा खोज :– कुत्ते की मदद से जीवित पीड़ित का पता लगाते है।

3. Rescue: - After locating the trapped victims in collapsed structure rescue of victims is carried out. To rescue the victims following articles are required:-

- Ladder (as per height of the building)
- Ropes
- Stretcher
- Blankets
- Splints
- Bandage etc.

(2) बचाव :– बहुमंजिल ध्वस्त इमारत में व्यक्ति का फॅसे होनें की जगह का पता लगाने के पष्चात बचाव की कार्यवाई की जाती है इसके निम्न सामान की आवष्यकता पड़ती है।

- सीढ़ी (इमारत की ऊॅचाई के अनुसार)
- रस्सी
- स्ट्रेचर
- कम्बल
- स्पलिंट (हड्डी टूटने पर)
- पट्टी (घायल के षरीर से खून के बहाव को रोकने के लिए)

4. Rescue Will Be Carried Out By Following Methods:-